न्यायालय न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, भरतपुर

पत्रावली संख्या : 34/2017 प्रार्थना पत्र (खा.सु.अ.)

प्रेमचंद जैन, खाद्य सुरक्षा अधिकारी,कार्यालय संयुक्त निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाऐं भरतपुर जोन भरतपुर।

आवेदक

बनाम

कृष्ण कुमार सिंघल पुत्र श्री नेमीचन्द सिंघल जाति वैश्य एफबीओ व मालिक फर्म कृष्णा डेयरी बुद्ध की हाट भरतपुर निवासी पुराना बयाना बस स्टैण्ड भरतपुर ।

गैरसायल

प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 26(2) खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 एवं नियम 2011.

उपस्थित :– 1. गैरसायल स्वयं

निर्णय

दिनांक : 22.11.2017

आवेदक द्वारा यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 26 की उपधारा 2(ा) खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 एवं नियम 2011 के अन्तर्गत विरूद्ध गैरसायल प्रस्तुत किया गया । गैरसायल को जरिये नोटिस तलब किया गया। गैरसायल नियत दिनांक 22.11.2017 को उपस्थित। प्रार्थी उपस्थित नहीं। इस्तगासा की नकल देते हुये गैरसायल को इस्तगासा में अंकित आरोप सुनाया गया कि कि दिनांक 10.5.2017 को प्रातः 11.00 बजे गैरसायल की फर्म कृष्णा डेयरी बुद्ध की हाट भरतपुर का निरीक्षण किया गया। वक्त निरीक्षण आम जनता के इस्तेमाल के लिए विक्रय हेतु एक प्लास्टिक की टंकी लगभग 60 लीटर मिश्रित दूध संग्रहित पाया गया, जिसमें मिलावट/संदेह होने पर नियमानुसार मौके पर नमूना लिया गया। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत नियमानुसार कार्यवाही अमल में लायी गई। खाद्य विश्लेषक की जांच रिपोर्ट संख्या एलएस–/425/एक्ट/2017/446 दिनांक 19.5.2017 द्वारा उक्त मिश्रित दूध का नमूना अवमानक स्तर (Sub Standard) प्रकृति का पाया गया है। गैरसायल के द्वारा अवमानक स्तर का मिश्रित दूध आम जनता को विक्रय कर उक्त अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उपधारा 2(ा) का उल्लघंन किया गया है।

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

आरोपो को सुन व समझकर गैरसायल ने कथन किया कि प्रार्थी की दुकान में दूध विक्रेताओं से प्राप्त दूध को संग्रहण कर विक्रय किया जाता है। गैरसायल के द्वारा कोई मिलावट अपने स्तर से नहीं की गई है। विक्रय किये जाने वाले दूध में अवमानक पाया गया है। भविष्य में गैरसायल अधिक सजगता बरतते हुए दूध विक्रेताओं से दूध प्राप्त करेगा। गैरसायल की प्रथम गलती है। अतः गैरसायल के प्रति नरम रूख अपनाते हुए जुर्माना किये जाने की प्रार्थना की है।

हमने पत्रावली का अवलोकन किया। गैरसायल के कथनों पर गौर किया। वक्त निरीक्षण दिनांक 10.5.2017 को गैरसायल के पास से आमजनता के बिक्रय हेतु संग्रहित मिश्रित दूध का नमूना लिया गया है। जो खाद्य विश्लेषक अलवर की जांच रिपोर्ट क्रमांक एलएस–/425/एक्ट/ 2017/446 दिनांक 19.5.2017 में अवमानक स्तर (Sub Standard) का पाया गया है। गैरसायल के द्वारा स्वयं के स्तर पर दूध में कोई मिलावट नहीं करना तथा दूध विक्रेताओं से क्रय करना जाहिर किया है। उनके द्वारा भविष्य में अधिक सजगता से दूध क्रय किया जाना दौराने सुनवाई स्वीकार किया गया है। ऐसी स्थिति में गैरसायल को भविष्य में इस प्रकार की अनियमितता नहीं करने की चेतावनी दी जाती है। चूंकि गैरसायल के पास से 60 लीटर मिश्रित दूध ही वक्त जांच निरीक्षण संग्रहित पाया गया है, जो गैरसायल द्वारा दूध विक्रेताओं से क्रय किया गया है। गैरसायल के द्वारा उक्त अनियमितता प्रथम बार किया जाना स्वीकार किया गया है। अतः उक्त अधिनियम की धारा 51 के तहत गैरसायल के द्वारा की गई अनियमितता के आधार पर 3000/– रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है। गैरसायल अर्थदण्ड की राशि नियमानुसार राजकोष में जमा करावे। गैरसायल के द्वारा जुर्माना राशि रसीद संख्या 000083 दिनांक 22.11.2017 से जमा राजकोष की गई। कार्यवाही समाप्त की जाती है। पत्रावली नम्बर से कम की जाकर फैसल शुमार की जावे। पत्रावली बाद तकमील जाप्ता दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय आज दि. 22.11.2017 को सरे इजलास सुनाया गया।

न्याय निर्णायन अधिकारी एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट,
भरतपुर

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official